03 जून 2011

डॉ. प्रकाश बक्षी ने नाबार्ड के अध्यक्ष का कार्यभार संभाला

डॉ.प्रकाश बक्षी ने राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के अध्यक्ष का कार्यभार संभाला.

अर्थशास्त्र में डॉक्ट्रेट डॉ.प्रकाश बक्षी ने रविशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर में व्याख्याता से अपना कैरियर शुरू किया था. 1979 में वे भारतीय रिजर्व बैंक की सेवा में आए. अध्यक्ष बनने के पहले डॉ.बक्षी नाबार्ड के कार्यपालक निदेशक के रूप में सहकारिता पुनरुत्थान एवं सुधार विभाग, संस्थागत विकास विभाग, विकास नीति विभाग-कृषि एवं विकास नीति विभाग-गैर कृषि क्षेत्र, सूक्ष्म ऋण नवप्रवर्तन विभाग तथा वित्तीय समावेशन विभाग का कार्य देख रहे थे. डॉ.बक्षी ने नाबार्ड की संगठनात्मक तथा व्यावसायिक पुन:संरचना, सहकारिता विभागों में नवोन्मेष, सहकारी बैंकों के लिए कोर बैंकिंग सोल्यूशन, ग्रामीण बुनियादी संरचना तथा डायरेक्ट फाइनांसिंग जैसे महत्त्वपूर्ण दायित्वों को कुशलतापूर्वक निभाया है. वे नाबार्ड के केरल तथा तमिलनाडु क्षेत्रीय कार्यालयों के प्रभारी भी रह चुके हैं.

डॉ.बक्षी ने 'स्वयं सहायता समूह - बैंक लिंकेज कार्यक्रम' तैयार किया जो आज विश्व का सबसे बड़ा ओर तेजी से आगे बढ़ रहा सूक्ष्म वित्त कार्यक्रम है. भारत सरकार द्वारा प्रोफेसर वैद्यनाथन की अध्यक्षता में सहकारी ऋण संरचना पर गठित समिति के वे सदस्य रह चुके हैं. ग्रामीण सहकारी बैंकों में विधिक तथा संस्थागत सुधारों के वित्तपोषण के लिए भारत सरकार, एशियाई विकास बैंक, विश्व बैंक तथा केएफडब्ल्यू के साथ होने वाले विचार विनिमय से जुड़े हुए थे.

यही नहीं, वे भारत सरकार द्वारा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की पूँजी संरचना की समीक्षा के लिए गठित समिति के सदस्य सचिव और भारत सरकार के कृषि और सहकारिता मंत्रालय द्वारा सहकारी संस्थाओं पर गठित कार्यदल के सदस्य भी रह चुके हैं.

डॉ.बक्षी ने कई अध्ययन और प्रेजेंटेशन किए हैं और उन्हें अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा सूक्ष्म ऋण तथा विकास से जुड़े मुद्दों पर व्याख्यान देने के लिए नियमित रूप से आमंत्रित किया जाता रहा है.